7 नए एक्सप्रेस-वे को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में सड़क परिवहन को सुगम बनाने हेतु 7 नए **एक्सप्रेस-वे** के निर्माण की मंज़ूरी दी है।

मुख्य बिंदु

- **एक्सप्रेस-वे के बारें में:**
  - मुख्यमंत्री इस परियोजना पर **50 हजार करोड़ रुपए निवेश करने की** घोषणा की है।
  - ये 7 एक्सप्रेस-वे लखनऊ SCR और दिल्ली NCR के बीच उत्तर प्रदेश के 56 ज़िलों को आपस में जोड़ेंगे। इन सात एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई **866 किमी. होगी। ये एक्सप्रेस-वे** आने वाले 2-3 वर्ष में बनकर तैयार हो जाएंगे।
  - यह कदम उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य की **अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर करने की दिशा में**अहम भूमिका निभाएगा।

- **प्रस्तावित 7 एक्सप्रेस-वे:**
  - **चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे:** 120 किमी लंबा यह एक्सप्रेस-वे **बुंदेलखंड के विभिन्न ज़िलों को** आपस में जोड़ने का कार्य करेगा।
  - झाँसी लिंक एक्सप्रेस-वे: इसकी लंबाई 100 किलोमीटर होगी और इसके माध्यम से **बुंदेलखंड के प्रमुख ज़िलों को एक्सप्रेस-वे से सीधे संपर्क मिलेगा।**
  - जेवर लिंक एक्सप्रेस-वे: 76 किमी. लंबा यह एक्सप्रेस-वे **जेवर एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेस-वे से** जोड़ेगा जिससे लोग सीधे एयरपोर्ट से जुड़ सकेंगे।
  - विंध्य एक्सप्रेस-वे: इसकी लंबाई 320 किमी है और इस एक्सप्रेस-वे से **उत्तर प्रदेश के पिछड़े ज़िलों को बेहतर यातायात की सुविधा मिलेगी।** इसमें मिर्ज़ापुर, बनारस, जौनपुर जैसे ज़िले प्रयागराज से जुड़ेंगे।
  - विंध्य पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे: इसकी लंबाई 100 किमी है और वि**ंध्याचल क्षेत्र को पूर्वांचल से जोड़ने के लिये मिर्ज़ापुर से गाज़ीपुर के बीच निर्मित होगा।**
  - **लखनऊ लिंक एक्सप्रेस-वे: 50 किमी लंबा यह एक्सप्रेस-वे** पूर्वांचल और आगरा एक्सप्रेस-वे को जोड़ेगा।
  - आगरा-लखनऊ गंगा एक्सप्रेस-वे लिंक रोड: इस लिंक एक्सप्रेस-वे की लंबाई 90 किमी होगी, जिसे प्रयागराज से मेरठ के बीच गंगा एक्सप्रेस-वे को लखनऊ से जोड़ने के लिये बनाया जाएगा।
- **अपेक्षित लाभ:**
- **आर्थिक विकास:** इन एक्सप्रेस-वे के निर्माण से राज्य के विभिन्न हिस्सों में **बेहतर कनेक्टिविटी** स्थापित होगी, जिससे व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और **अर्थव्यवस्था को मज़बूती मिलेगी।**
- **यात्रा में सुविधा:** यात्रा की गति और समय में काफी कमी आएगी, जिससे लोगों को यात्रा में **अधिक सुविधा होगी।**
- **स्थानीय विकास:** इन एक्सप्रेस-वे के बनने से उन क्षेत्रों में स्थानीय विकास होगा, जिनसे ये मार्ग गुजरेंगे। विशेषकर पिछड़े और **दूर-दराज़ के क्षेत्रों में अवसंरचना सुधारने में मदद मिलेगी।**
- **राज्य की कनेक्टिविटी:** इन एक्सप्रेस-वे के जरिये राज्य के विभिन्न ज़िलों और प्रमुख शहरों को एक दूसरे से जोड़ने से राज्य के सडक परिवहन **में सुधार होगा।**
- **रोजगार के अवसर:** इन परियोजनाओं के निर्माण और संचालन से **रोज़गार के कई नए अवसर सृजित होंगे।**

उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क:

- देश में सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे नेटवर्क उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश के प्रमुख एक्सप्रेस-वे निम्नलिखित हैं-
  - यमुना एक्सप्रेस-वे: **उत्तर प्रदेश का पहला एक्सप्रेस-वे**
  - गंगा एक्सप्रेस-वे: **उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे**
  - आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे: उत्तर प्रदेश का ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे
  - दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे
  - पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे
  - **बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे**

- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे
- लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस-वे

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/7-new-expressways-approved